आज उत्तम सुदिन

सन्त-कवि एकनाथ महाराज द्वारा लिखित अभंग

ध्रुवपद

आज सबसे उत्तम शुभ दिन है,
क्योंकि आज मुझे सन्तों के दर्शन हुए हैं।

पद १
जिस क्षण मैंने सन्तों के प्रति समर्पण किया,
मेरे पाप, ताप व दरिद्रता सब मिट गए।

पद २
जब मेरी सन्तजनों से भेंट हुई
तो मेरे सभी अच्छे कर्म फलीभूत हो गए।

पद ३
जब मैंने सन्तों के प्रति समर्पण किया,
तो मेरे सभी कर्म, सत्कर्म बन गए।

पद ४
जनार्दन के एकनाथ कहते हैं :
सन्त-समागम अर्थात् सन्तों के दर्शनों का आनन्द लेना
सच में सर्वोत्तम है।

एकनाथ महाराज — परिचय

एकनाथ महाराज [लगभग १५३३-९९] भक्ति-परम्परा के महान सन्त-कवि और विद्वान थे। वे भारत के महाराष्ट्र राज्य में स्थित पैठण गाँव में अपने परिवार के साथ रहते थे। उन्होंने हिन्दी एवं मराठी में ४,००० से भी अधिक भजनों व अभंगों की रचना की। एकनाथ महाराज ने भारत के कुछ महान ग्रन्थों पर व्याख्याएँ भी लिखीं और इन ग्रन्थों का संस्कृत से मराठी भाषा में अनुवाद किया जो कि महाराष्ट्र में जनसाधारण की भाषा है। उनकी रचनाएँ मराठी भाषा में होने के कारण, उनकी सिखावनियाँ पूरे महाराष्ट्र के लोगों तक पहुँच सकीं। एकनाथ महाराज के श्रीगुरु, जनार्दन स्वामी ने ही उन्हें सभी के उत्थान हेतु शिक्षाएँ प्रदान करने का आदेश दिया था।

इस वर्ष, चान्द्र तिथि अनुसार एकनाथ महाराज की पुण्यतिथि ७ मार्च को मनाई जा रही है।

अंग्रेज़ी भाषान्तर © २०१८ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।